... सिर्फ सच का साथ

जनमुख

वाराणसी, सोमवार, 07 सितम्बर-2026

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

वाराणसी, लखनऊ, दिल्ली एवं पूर्वी उत्तर प्रदेश व पश्चिमी बिहार में प्रसारित

● वर्ष -43 ● अंक 309 ● पृष्ठ 8 ● मूल्य 2 रुपया

प्रयागराज में राम वनगमन पथ जगह-जगह धंसा, 500 मीटर में 118 जगह दरारें

प्रयागराज। यूपी में अयोध्या से चित्रकूट तक 210 किमी लंबा राम वनगमन पथ बनाया जा रहा है। जिन रास्तों से होकर प्रभु श्रीराम वनवास गए थे, उधर से होकर फोरलेन हाईवे बनाया जा रहा है। लेकिन, इसके शुरू होने से पहले ही प्रयागराज के शृंगवेरपुर में हाईवे धंस गया है। करीब 500 मीटर में हाईवे की दोनों लेन पर 118 जगह सड़क धंसी है। एक से डेढ़ फीट तक दरारें आ गई हैं। पुल की ओर जाने वाला एप्रोच हिस्सा भी एक तरफ करीब 30 डिग्री तक झुक गया। पुल के नीचे से देखने पर एप्रोच की दीवारें भी करीब आधा फीट बाहर की ओर निकली दिख रही हैं। अब आनन-फानन दरारों को भरने का काम किया जा रहा है।

कोच्चि से अबू धाबी जा रही फ्लाइट लौटी वापस

कोच्चि। कोच्चि से अबू धाबी जाने वाली एअर इंडिया एक्सप्रेस की फ्लाइट को उड़ान भरने के करीब 50 मिनट बाद तकनीकी खराबी के चलते बीच हवा से वापस लौटना पड़ा। विमान का ऑयल प्रेशर डेंजर जोन में जाने के बाद केरलम के कोच्चिन इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर सुरक्षित इमरजेंसी लैंडिंग कराई। कोच्चि से अबू धाबी जाने वाली एअर इंडिया एक्सप्रेस की फ्लाइट IX 415 (बोइंग 737) अबू धाबी जाने के लिए उड़ान भर चुकी थी। टेक-ऑफ के लगभग 50 मिनट बाद और 36,000 फीट की ऊंचाई पर उड़ते समय पायलट और को-पायलट ने देखा कि इंजन 1 में तेल की मात्रा तेजी से कम हो रही है।

जारांगे के प्रदर्शन के विरोध में ओबीसी एक्टिविस्टों ने की भूख हड़ताल

मुंबई। महाराष्ट्र के जालना जिले में मनोज जारांगे के मराठा आरक्षण आंदोलन के समानांतर ओबीसी एक्टिविस्टों ने जवाबी भूख हड़ताल शुरू की थी। पुलिस ने कानून-व्यवस्था, तनाव और यातायात प्रभावित होने की आशंका का हवाला देते हुए प्रदर्शन की अनुमति नहीं दी और सोमवार को चार ओबीसी एक्टिविस्टों को हिरासत में ले लिया। दूसरी ओर, जारांगे की अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल 10वें दिन भी जारी है और उनकी मांग मराठा समुदाय के पात्र लोगों को कुनबी प्रमाणपत्र के जरिए OBC आरक्षण का लाभ दिलाने से जुड़ी है। इन एक्टिविस्टों ने रविवार को जारांगे के आंदोलन स्थल से करीब 400 मीटर दूर अंतरवाली सारती गांव में भूख हड़ताल शुरू की थी।

बागपत में श्रद्धालुओं से भरा वाहन भिड़ गया तेज रफ्तार कैंटर से

सड़क पर दूर तक बिखरी लाशें

पांच ने मौके पर दम तोड़ा, आठ की अस्पताल में मौत

● बदायूं के गांव अल्हापुर से लोग राजस्थान के बागड़ यात्रा पर गए थे

बागपत। ईस्टर्न पेरीफेरल (ईपीई) पर रविवार देर रात हुए हादसे में मृतकों की संख्या बढ़कर 13 हो गई है। पहले चार लोगों की मौत हुई थी। सोमवार दोपहर तक 8 और घायलों ने दम तोड़ दिया। बता दें कि करीब पौने दो बजे कैंटर की टक्कर से बागड़ धाम से लौट रही श्रद्धालुओं से भरा पिकअप वाहन डिवाइडर से टकराकर पलट गया। हादसे में चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई थी और 20 श्रद्धालु घायल हो गए थे। सभी श्रद्धालु बदायूं के रहने वाले हैं। हादसे के बाद अफरा तफरी मच गई। घायलों को सीएचसी व जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। पिकअप में कुल 32 लोग सवार थे। बदायूं के गांव अल्हापुर से लोग राजस्थान के बागड़ यात्रा पर गए थे। रात में वापस आते समय ईपीई पर बड़ागांव के पास कैंटर ने पिकअप में टक्कर मार दी, जिससे पिकअप वाहन डिवाइडर से टकराकर पलट गया। अधिकाशं लोग उसके नीचे दब गए और चीख पुकार मच गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने राहगीरों की मदद से लोगों को बाहर निकाला, लेकिन तब तक एक बच्ची समेत पांच लोगों की मौत हो चुकी थी। हादसे के समय ही कुछ गंभीर घायलों को दिल्ली व मेरठ रेफर कर दिया गया था। सोमवार तक मौत का आंकड़ा 13 पहुंच गया। सूचना मिलते ही जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक सूरज कुमार राय जिला अस्पताल पहुंचे और घायलों का हालचाल जाना।

दिल्ली पीजी हादसा : मलबे से एक और लाश निकली, अब तक 7 मौतें

● पकड़ा गया इमारत का मालिक पांच अधिकारी सस्पेंड

नई दिल्ली। दिल्ली में रविवार दोपहर गिरी इमारत का मलबा अभी भी हटाया जा रहा है। सोमवार को मलबे से एक और शव मिला है। हादसे में अब तक 7 लोगों की मौत हो चुकी है और 12 लोगों को बचाया गया है। 5 लोग गंभीर घायल हैं, जिन्हें एम्स में भर्ती कराया गया है। अभी भी कई लोगों के दबे होने की आशंका है। दिल्ली के सत्य निकेतन इलाके में रविवार को जो बिल्डिंग गिरी, उसके मालिक हरिराम बंसल को दिल्ली पुलिस ने राजस्थान के भिवाड़ी से हिरासत में लिया है। पुलिस उसे दिल्ली लेकर आ रही है। वहीं पा-च मंजिली पीजी इमारत गिरने के मामले में MCD ने बड़ी कार्रवाई करते हुए दक्षिण जोन के डिप्टी कमिश्नर समेत पांच अधिकारियों को निलंबित कर दिया है।

जहरीली शराब से 22 की जान गयी

● 112 मरीज अस्पताल में भर्ती; लाइसेंसी ठेकेदारों समेत 30 नामजद आरोपी, 10 गिरफ्तार

भोपाल। सागर में जहरीली शराब पीने से मौतों का आंकड़ा 19 पहुंच गया है। सोमवार सुबह महेश रावत (55) निवासी धुरमार ने बंडा अस्पताल, छापरी गांव की रहने वाली श्याम बाई अहिरवार (50) ने जिला अस्पताल और पापेट गांव नि-वासी कृष्ण कुमार लोधी ने मेडिकल कॉलेज में दम तोड़ा। इससे पहले एयरलिफ्ट कर भोपाल लाए गए राम प्रसाद लोधी की रविवार रात को मौत हुई थी। पिता गोविंद लोधी ने भी रविवार को दम तोड़ा था। वहीं, रामप्रसाद का छोटा भाई भूरे लोधी बीएमसी में भर्ती है। बमूरा भेड़ा गांव में अब तक 6 मौतें हो चुकी हैं। फिलहाल, 112 लोग अस्पतालों में भर्ती हैं। पुलिस ने मामले में 30 नामजद आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। इनमें से 10 को गिरफ्तार कर लिया गया है। उनसे शराब के नेटवर्क के संबंध में पूछताछ की जा रही है। लाइसेंसी ठेकेदार सिद्धार्थ कुशवाहा और यशवंत ठाकुर को भी आरोपी बनाया गया है। पुलिस टीमें फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार दबिश दे रही हैं।

डाक्टरों से मारपीट पर सुप्रीम कोर्ट सख्त

● तत्काल राजनेताओं को हिरासत में लिए जाने का दिया आदेश

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को महाराष्ट्र में राजनीतिक दलों के सदस्यों द्वारा डॉक्टरों के साथ मारपीट की बढ़ती घटनाओं पर गंभीर चिंता व्यक्त की। सर्वोच्च अदालत ने सरकार को सख्त निर्देश दिया है कि डॉक्टरों पर हमला करने वाले ऐसे राजनेताओं को तुरंत हिरासत में लिया जाए। सुप्रीम कोर्ट की यह टिप्पणी महा-राष्ट्र के पालघर जिले के अस्पताल में शिवसेना नेताओं द्वारा डॉक्टरों और अन्य कर्मचारियों के साथ की गई मारपीट के एक दिन बाद आई है। जानकारी के मुताबिक, यह घटना रविवार तड़के रिलीफ अस्पताल में हुई। दही हांडी उत्सव के दौरान घायल हुए एक व्यक्ति को अस्पताल से डिस्चार्ज देने के मुद्दे पर अस्पताल के गलियारों में अचानक विवाद और हंगामा शुरू हो गया। अस्पताल के एक कर्मचारी द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के अनुसार, शिवसेना के जिला प्रमुख कुंदन संखे, शहर प्रमुख राहुल घरत और अन्य लोगों ने अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड में प्रवेश किया और डॉक्टरों के साथ बहस करने लगे। स्थिति तब और बिगड़ गई जब पार्टी के कुछ सदस्य अस्पताल के इंटेंसिव केयर यूनिट (आईसीयू) में भी जबरन घुस गए। इस घटना का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। फुटेज में साफ देखा जा सकता है कि जब एक रिसेप्शनिस्ट ने बीच-बचाव करने की कोशिश की, तो एक आरोपी ने उसे थप्पड़ जड़ दिया। इसके अलावा, बीच-बचाव करने आई एक महिला कर्मचारी को भी धमकी दी गई।

घर में घुसकर तेंदुए ने बच्ची को दबोचा, ग्रामीणों ने पीछा कर बचाया

बहराइच। यूपी के बहराइच में रविवार देर शाम आंगन में खेल रही तीन वर्षीय बच्ची लाडो पर तेंदुए ने हमला कर दिया। तेंदुआ बालिका को जबड़े में दबोचकर जंगल की ओर भागने लगा। ग्रामीणों देखा तो शोर मचाते हुए उसका पीछा किया। ग्रामीणों के लगातार पीछे आने पर तेंदुआ खेलावन के खेत के पास बांध किनारे बच्ची को छोड़कर जंगल की ओर भाग गया। घटना नानपारा रेंज के बघौली जंगल से सटे खटकन पुरवा गांव की है। तेंदुए के हमले में बालिका गंभीर रूप से घायल हो गई। परिजन और ग्रामीण उसे तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, नानपारा लेकर पहुंचे। चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद उसकी गंभीर हालत देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

सहारनपुर में सपा नेता नजरबंद

● मस्जिद के ध्वस्तीकरण को लेकर गरमाया माहौल

सहारनपुर। कलेक्ट्रेट मस्जिद प्रकरण में सहारनपुर पहुंचे सपा के 21 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल को सर्किट हाउस में नजरबंद कर दिया गया। कमिश्नर कार्यालय पहुंचकर प्रतिनिधिमंडल ने हंगामा किया तो सभी को यहां से सर्किट हाउस ले जाया गया। इस दौरान सपा से मुजफ्फरनगर सांसद हरेंद्र मलिक व मुजफ्फरनगर जिलाध्यक्ष जिया चौधरी ने एडिशनल कमिश्नर को ज्ञापन सौंपा। सहारनपुर के कलेक्ट्रेट में स्थित मस्जिद के ध्वस्तीकरण के कारण जिले का माहौल काफी गरमाया हुआ है। इसी प्रकरण को लेकर सपा का प्रतिनिधिमंडल रविवार को सहारनपुर आने वाला था। मगर प्रतिनिधिमंडल के सभी नेताओं को रविवार को उनके हाउस पर ही अरेस्ट कर लिया गया था। वहीं आज सोमवार की सुबह धीरे-धीरे प्रतिनिधि मंडल के सदस्यों का सहारनपुर पहुंचना शुरू हो गया था।

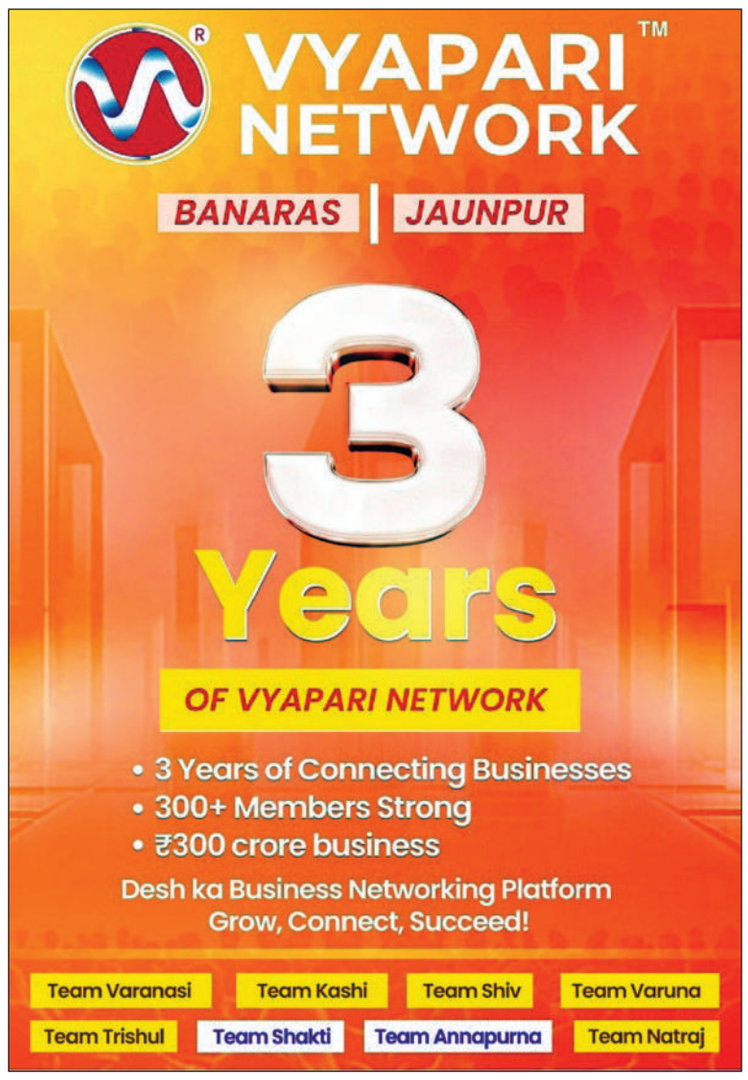

उत्तराखंड में बर्फबारी : बिहार का बुरा हाल

नदियों ने धारण किया रौद्र रूप, सुलतानपुर के चार हजार घर पानी में डूबे

● यूपी में रुक-रुक कर बारिश का दौर जारी

नई दिल्ली। कश्मीर में सीजन की पहली बर्फबारी के बाद अब उत्तराखंड के पिथौरागढ़ की पंचाचूली, हरदेवल, नंदा देवी और नंदा कोट के साथ चमोली में बद्रीनाथ-हेमकुंड की ऊंची चोटियों पर हल्की बर्फबारी हुई है। बारिश और बर्फबारी के बाद ऊंचाई वाले इलाकों में ठंड बढ़ गई है। वहीं राज्य में बाढ़ की वजह से 22 लाख से ज्यादा आबादी प्रभावित है। गंगा, कोसी, गंडक, बूढ़ी गंडक, पुनपुन और बागमती नदियों के उफान से बाढ़ की बनी स्थिति कयामत बरपा रही है। राज्य के 12 जिलों में 22.42 लाख लोग प्रभावित हुए हैं। भागलपुर में रिंग बांध ओवरफ्लो होने से सुल्तानगंज के करीब 4 हजार घर पानी में डूब गए। नदियों के जलस्तर में हुई वृद्धि और बाढ़ की चुनौती से निपटने की दिशा में व्यापक राहत अभियानों के तहत बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में 190 सामुदायिक रसोई केंद्रों का संचालन किया जा रहा है। इनके माध्यम से अब तक 2.51 लाख लोगों को भोजन उपलब्ध कराया जा रहा है। वहीं, यूपी में मानसूनी बारिश का दौर लगातार जारी है। रुक-रुककर वर्षा हो रही है। घरों के किचन और बेडरूम तक घुटनों तक पानी पहुंच रहा है।

बाजार में गिरावट के बीच 'रुपये' ने दिखाई ताकत

नई दिल्ली। शेयर बाजार में गिरावट के बीच भारतीय मुद्रा 'रुपया' ने तेजी दिखाई है। 7 सित. को रुपया 10 पैसे की बढ़त के साथ खुला और लगभग छह हफ़्ते के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा अनिवासी (FCNR-B) बैंक जमा में भारी बढ़ोतरी और रिज़र्व बैंक ऑफ़ इंडिया के दखल से बाज़ार का मूड बेहतर हुआ, जब-कि ब्रेंट क्रूड की कीमतें अभी भी चिंता का विषय बनी हुई हैं। पिछले सेशन में 94.49 पर बंद होने के बाद, रुपया डॉलर के मुकाबले 94.39 पर ट्रेड कर रहा था।

जनमुख City लाइव हिन्दी दैनिक
● तापमान अधिकतम : 32.8°C
● तापमान न्यूनतम : 21.0°C
● सूर्योदय : 05.19
● सूर्यास्त : 06.30
वाराणसी, 07 सितम्बर, सोमवार (3)

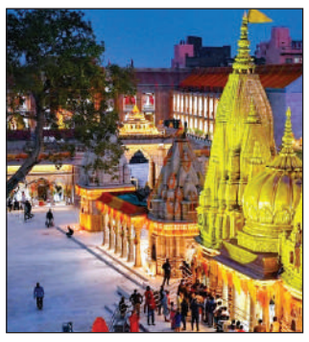

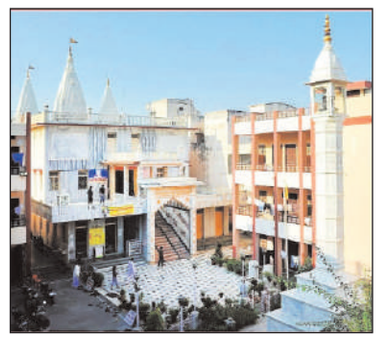

छात्रा का क़ातिल गिरफ्तार

भागने की कोशिश के दौरान की फायरिंग, पुलिस ने पैर में मारी गोली

वाराणसी। वाराणसी में M.Sc छात्रा श्रेया उपाध्याय की हत्या के 20 दिन बाद आरोपी विवेक चौबे को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। विवेक को पुलिस ने सोमवार सुबह 5 बजे मुठभेड़ के दौरान दबोच लिया। पुलिस पर फायरिंग कर भाग रहे विवेक को जवाबी कार्रवाई में गोली लगी। उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया। उसकी तलाश में कई टीमें लगाई गई थीं। इससे पहले उसके दोस्त पुनीत मिश्रा को पुलिस जेल भेज चुकी है। पुलिस

● एक अन्य आरोपी पुनीत मिश्रा को पहले ही पकड़कर जेल भेजा जा चुका है

की पूछताछ में उसने युवती की शादी दूसरी जगह तय होने पर हत्या करने की बात को स्वीकार किया। बताया कि दोस्त के साथ मिलकर वारदात को अंजाम दिया। बाद में शव कमरे में बंद करके दोनों फरार हो गए । उसके बयान से साफ है कि छात्रा श्रेया हत्याकांड की हत्या प्रेम के बाद शादी के लिए की गई थी। युवती की शादी दूसरे युवक से तय होने के बाद विवेक क्षुब्ध था और उससे शादी के लिए लगातार दबाव बना रहा था, हालांकि युवती इनकार करती रही। इसके बाद विवेक ने अपने दोस्त पुनीत मिश्रा के साथ उसे मारने की योजना बनाई। दोनों ने मिलकर उसे कमरे पर बुलाया और हत्या कर दी। सोमवार की सुबह आरोपी विवेक के जगतदेवपुर की ओर जाने की सूचना पर पुलिस ने घेराबंदी की। पुलिस टीम को देखकर विवेक भागने लगा तो पीछा कर उसे पकड़ने का प्रयास किया। टीम को पीछे देखकर विवेक ने फायर झोंक दिया, जिसमें पुलिसकर्मी बच गया। जवाबी कार्रवाई में अभियुक्त के दाहिने पैर में गोली लगी, जिससे वह घायल होकर गिर गया। विवेक चौबे पुत्र राम सहाय चौबे को घायलावस्था में तत्काल उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र जक्खिनी भेजा गया। आरोपी के कब्जे से तमंचा बरामद किया गया है। पुलिस आगे की कार्रवाई कर रही है।

सजा बाबा बटुक भैरव का दिव्य दरबार, दर्शन पाकर भक्त विभोर

● 51 किलो पंचमेवे से बाबा का किया गया विशेष श्रृंगार

वाराणसी (जनमुख डेस्क)। प्राचीन श्री बाबा बटुक भैरव मंदिर, कमच्छा में रविवार को भक्ति और आस्था के अनूठे रंग में रंगा नजर आया। हरियाली एवं जल विहार श्रृंगार में बाबा बटुक भैरव स्वर्णमयी आसन पर विराजमान होकर भक्तों को दर्शन दिए। चारों ओर हरियाली, रंग-बिरंगे फूल, फल-पत्तियां और बर्फ से सजी झांकी के बीच बाबा के अलौकिक बालरूप ने ऐसा भाव जगाया कि श्रद्धालु कुछ क्षणों के लिए उसी दिव्य वातावरण में खो गए। बाबा के इस विशेष श्रृंगार की एक झलक पाने के लिए काशी के श्रद्धालुओं में सुबह से ही जबरदस्त उत्साह रहा। प्रातः पांच बजे से मां-दिर के बाहर श्रद्धालुओं की कतार लगनी शुरू हो गई। मंदिर के महंत राकेश पुरी एवं भास्कर पुरी के दिशा-निर्देशन में कार्यकर्ता पूरे आयोजन की व्यवस्था में लगातार जुटे रहे। नगर के श्रद्धालुओं के साथ संकल्प संस्था के संरक्षक अनिल कुमार जैन, आलोक जैन, रमेश चंद अग्रवाल, गीता जैन उपस्थित रहे।

रात में भी होगी नाले की सफाई

वाराणसी (जनमुख डेस्क)। नगर आयुक्त हिमांशु नागपाल ने शहर के विभिन्न जलजमाव वाले इलाकों का दौरा कर जमीनी स्थिति का जायजा लिया। नगर आयुक्त ने संबंधित अधिकारियों को फ्लोटिंग मैटेरियल को तत्काल हटाने के लिए रात में भी नालों की विशेष सफाई कराने का स्पष्ट निर्देश दिया। नगर आयुक्त ने विवेकानन्दपुरम कॉलोनी (सुसुवाही), गिरी नगर कॉलोनी (बिरदोपुर) और महमूरगंज के साकेत नगर कॉलोनी का निरीक्षण कर जल निकासी की व्यवस्था का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान गिरी नगर कॉलोनी में जलजमाव की समस्या को देखते हुए नगर आयुक्त ने जलकल विभाग को रात में ही नाले की विशेष सफाई कराने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान स्थानीय पार्षद सुरेश पटेल, जलकल विभाग के महाप्रबंधक अनूप सिंह सहित नगर निगम और जलकल विभाग के कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

डॉ. लहरी के साथ दुर्व्यवहार पर कांग्रेसियों ने जताया रोष

वाराणसी (जनमुख डेस्क)। बीएचयू के वरिष्ठ चिकित्सक एवं पद्मश्री से सम्मानित डॉ. टीके लाहिरी के साथ आईसीयू में गाली-गलौज और थप्पड़ मारने की घटना को लेकर कांग्रेस ने गंभीर सवाल खड़े किए हैं। इस मामले को लेकर उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय राय के निर्देश पर महानगर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष राघवेंद्र चौबे रविवार को बीएचयू पहुंचे और डॉ. टीके लाहिरी के स्वास्थ्य की जानकारी ली। उन्होंने चिकित्सकों से बातचीत कर उनके स्वास्थ्य की स्थिति के बारे में जानकारी प्राप्त की तथा उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। डॉ. टीके लाहिरी के परिजनों ने आरोप लगाया है कि आईसीयू में भर्ती 85 वर्षीय डॉ. लाहिरी के साथ एक एसोसिएट प्रोफेसर द्वारा कथित रूप से गाली-गलौज की गई और थप्पड़ मारा गया। परिजनों का आरोप है कि घटना के बाद डॉ. लाहिरी के चेहरे पर चोट के निशान भी दिखाई दिए। मामले ने बीएचयू जैसे देश के प्रतिष्ठित चिकित्सा एवं शैक्षणिक संस्थान की कार्यप्रणाली और वरिष्ठ चिकित्सक की सुरक्षा को लेकर गंभीर प्रश्न खड़े कर दिए हैं। महानगर कांग्रेस अध्यक्ष राघवेंद्र चौबे ने कहा कि डॉ. टीके लाहिरी कोई सामान्य व्यक्ति नहीं हैं।

पद्मश्री डॉ. टी.के. लहरी का हाल जानने बीएचयू पहुंचे मंत्री

वाराणसी (जनमुख डेस्क)। प्रदेश सरकार के स्टांप एवं न्यायालय पंजीयन शुल्क राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) रवींद्र जायसवाल ने रविवार को काशी हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू) पहुंचकर पद्मश्री से सम्मानित वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. टी.के. लहरी का कुशलक्षेम जाना। डॉ. लहरी इन दिनों अस्वस्थ होने के कारण बीएचयू में उपचाराधीन हैं। मंत्री रवींद्र जायसवाल बीएचयू की नई बिल्डिंग के पांचवें तल पर स्थित वार्ड में पहुंचे, जहां डॉ. टी.के. लहरी भर्ती हैं। उन्होंने डॉ. लहरी से मुलाकात कर उनके स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली और उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। इस दौरान उन्होंने डॉ. लहरी के उपचार में जुटे चिकित्सकों से भी उनकी स्वास्थ्य स्थिति और चल रहे उपचार के संबंध में जानकारी प्राप्त की। इस दौरान बीएचयू के चीफ प्राक्टर, डीसीपी, थाना प्रभारी लंका, पार्षद रोहित मिश्रा, क्षेत्रीय पार्षद आदि लोग प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

76 दिवसीय वार्ड प्रवास के 50 दिन मुकम्मल विधायक का 3500 परिवारों से सीधा संवाद

वाराणसी (जनमुख डेस्क)। दक्षिणी विधानसभा क्षेत्र में विधायक एवं पूर्व मंत्री डॉ. नीलकंठ तिवारी के नेतृत्व में 19 जुलाई से 2 अक्टूबर, गांधी जयंती तक चल रहे 76 दिवसीय वार्ड प्रवास कार्यक्रम के 50 दिन पूरे हो गए। इस दौरान विधायक ने क्षेत्र के विभिन्न वार्डों में पहुंचकर लोगों से सीधे संवाद किया। कार्यक्रम के तहत विधायक अलग-अलग दिनों में विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न वार्डों में भ्रमण कर रहे हैं। इस दौरान पेयजल, सीवर, नाली, गली की पटिया, मैनहोल, पानी की पाइपलाइन सहित स्थानीय समस्याओं की जानकारी लोगों से ली जाती है और संबंधित अधिकारियों को मौके पर ही आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए जाते हैं। 50 दिनों के दौरान डॉ. तिवारी ने 3500 परिवारों से सीधा जनसंपर्क किया। इस दौरान 50 से अधिक जनचौपाल भी आयोजित की गईं।

नवरतन राठी बने काशी क्षेत्र के वरिष्ठ उपाध्यक्ष

वाराणसी (जनमुख डेस्क)। काशी क्षेत्र में वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद पर नवरतन राठी को मनोनीत किए जाने पर क्षेत्र में हर्ष का माहौल है। व्यापारी, सामाजिक संगठनों एवं मीडिया जगत से जुड़े लोगों ने उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। राठी एक जाने-माने सामाजिक एवं व्यापारी नेता हैं। वे कई वर्षों से काशी क्षेत्र में मीडिया के क्षेत्र में सक्रिय रूप से कार्य कर रहे हैं और सामाजिक सरोकारों से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता से उठाते रहे हैं। उनके अनुभव से संगठन को नई मजबूती मिलेगी। काशी क्षेत्र में संगठनात्मक कार्यों को गति मिलेगी।

फ्लोरेंस स्कूल में धूमधाम से मनाया गया शिक्षक दिवस, सम्मानित किए गए शिक्षक

वाराणसी (जनमुख डेस्क)। फ्लोरेंस स्कूल में शिक्षक दिवस धूमधाम और उत्साह के साथ मनाया गया।छात्र-छात्राओं ने शिक्षकों को तिलक लगाकर और केक काटकर एवं अंगवस्त्रम सहित अनेक प्रकार के उपहार भेंट कर भावपूर्ण सम्मान किया। शिक्षकों के सम्मान में भाषण और कविता प्रस्तुत किया। विद्यालय के प्रबंध निदेशक अशोक कुमार ने संबोधित करते हुए कहा भारत में शिक्षक दिवस डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णान के जन्मदिवस पर मनाया जाता हैं। शिक्षकों का योगदान समाज को त्याग और आदरभाव रखना सिखाता है। शिक्षा का उद्देश्य केवल किताबी ज्ञान या अंक प्राप्त करना नहीं, बल्कि अच्छे संस्कार और जिम्मेदार नागरिक तैयार करना है। यह दिन गुरु के महत्व और उनके प्रति समर्पण की भावना को जीवित रखता है।

रोटरैक्ट क्लब ऑफ वाराणसी रुद्र ने समारोहपूर्वक मनाया शिक्षक दिवस

वाराणसी (जनमुख डेस्क)। शिक्षक दिवस के अवसर पर रोटरैक्ट क्लब ऑफ वाराणसी रुद्र, डिस्ट्रिक्ट 3120 द्वारा टाइनी फीट इंटरनेशनल प्ले स्कूल में शिक्षक सम्मान एवं शिक्षक दिवस समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए क्लब के अध्यक्ष रोटरैक्टर अविजीत सोनी ने सभी शिक्षकों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए उनके योगदान को अत्यंत महत्वपूर्ण बताया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं वक्ता पीडीआरआर रोटेरियन अजीत मेनहोट्रा ने रोटरी के मूल सिद्धांतों एवं समाज में उसके कार्यों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। विद्यालय की निदेशक सुमोना चक्रवर्ती ने रोटरैक्ट क्लब ऑफ वाराणसी रुद्र की पूरी टीम का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में रोटरैक्ट क्लब ऑफ वाराणसी रुद्र की ओर से आकाश केशवानी, सिमरन घाघरानी, निखिल एवं डॉ. शिखर यादव उपस्थित रहे। विद्यालय की ओर से समन्वयक आयुषी, बीनी यादव सहित विद्यालय का समस्त शिक्षण स्टाफ उपस्थित रहा।

मलखंभ की प्रदेशीय टीम में आदित्य का चयन, अब झाँसी में दिखाएंगे दम-खम

वाराणसी (जनमुख डेस्क)। ग्राम विद्यापीठ इंटर कॉलेज के छात्र आदित्य का चयन मलखंभ की प्रदेशीय टीम में हुआ है। वह आगामी प्रदेशीय मलखंभ प्रतियोगिता में प्रतिभाग कर विद्यालय और क्षेत्र का नाम रोशन करेंगे। विद्यालय के शारीरिक शिक्षा प्रवक्ता डॉ. आशीष कुमार सिंह ने बताया कि आदित्य ने अपनी कड़ी मेहनत, उत्कृष्ट तकनीक और निरंतर अभ्यास के बल पर प्रदेशीय टीम में अपनी जगह पक्की की है। इस वर्ष की प्रदेशीय मलखंभ प्रतियोगिता ऐतिहासिक नगरी झाँसी में आयोजित होने जा रही है। इस प्रतियोगिता में राज्य भर के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी हिस्सा लेंगे, जहाँ आदित्य भी अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। आदित्य के इस शानदार चयन पर विद्यालय प्रबंधन, प्रधानाचार्य और समस्त शिक्षक स्टाफ ने उन्हें बधाई दी है। छात्र की इस सफलता से पूरे क्षेत्र के खेल प्रेमियों और स्थानीय निवासियों में हर्ष का माहौल है।

शिक्षक दिवस पर सम्मानित किए गए गुरुजी

वाराणसी (जनमुख डेस्क)। शिक्षा के क्षेत्र में विशिष्ट योगदान के लिए ग्रामीण क्षेत्र के वरिष्ठ शिक्षकों के सम्मान कार्यक्रम के क्रम में सामाजिक संस्था आशा ट्रस्ट द्वारा रविवार को कैथी के दो अवकाश प्राप्त शिक्षकों को उनके घर पर सम्मानित किया गया । पूर्व माध्यमिक विद्यालय बर्थरा की प्रधानाध्यापिका पद अवकाश से वर्ष 1995 में अवकाश प्राप्त चन्द्र प्रभा मिश्रा (90 वर्षीय) और पूर्व माध्यमिक विद्यालय ऊगापुर के प्रधानाध्यापक पद से वर्ष 2011 में अवकाश प्राप्त केदार सिंह (78 वर्षीय) को माल्यार्पण, अंगवस्त्र, स्मृति चिन्ह और दैनन्दिनी भेंट कर सम्मानित किया गया

छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों से किया अभिनंदन

वाराणसी (जनमुख डेस्क)। वसंत कन्या महाविद्यालय, कमच्छा, वाराणसी में 5 सितंबर 2026 को महान दार्शनिक, शिक्षाविद् एवं भारत के पूर्व राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती के अवसर पर शिक्षक दिवस समारोह का आयोजन अत्यंत हर्षोल्लास एवं गरिमापूर्ण वातावरण में किया गया। समारोह को संबोधित करते हुए

महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो. रचना श्रीवास्तव ने सभी शिक्षकों को शिक्षक दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ दीं तथा विद्यार्थियों द्वारा आयोजित इस भावपूर्ण एवं सार्थक कार्यक्रम की सराहना की। इस अवसर पर बैंक आफ बड़ौदा की ओर से बैंक के शाखा प्रबंधक, अभिनव रवि ने महाविद्यालय के सभी शिक्षकों को सम्मानित किया। कार्यक्रम में छात्राओं द्वारा शिक्षकों के सम्मान एवं अभिनंदन में विविध सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दी गईं, जिनमें शास्त्रीय नृत्य, काव्य-पाठ, संगीत तथा अन्य कलात्मक प्रस्तुतियाँ प्रमुख रहीं। डॉक्टर शुभांगी श्रीवास्तव ने कथक नृत्य में गुरु वंदना की प्रस्तुति दी।

जनमुख परामर्श मंडल

एस. कुमार
राष्ट्रीय अध्यक्ष
सिंधी काउंसिल
ऑफ इंडिया

संतोष अग्रवाल हरे कृष्ण ज्वैलर्स
सभापति, श्री काशी अग्रवाल समाज

श्रीनारायण खेमका
अध्यक्ष : अखिल भारतीय
मारवाड़ी सम्मेलन

वी.के.जैन
अध्यक्ष
जैन मिलन, वाराणसी

डा. एस.के.पाठक
वरिष्ठ चिकित्सक

डा. नीलम ओहरी
स्त्री रोग विशेषज्ञ

प्रधान सम्पादक
ब्रजेश कुमार राय 'शर्मा'
समाचार सम्पादक
सरोज सिन्हा
स्वात्वाधिकारी व स्वामी ब्रजेश कुमार राय 'शर्मा' द्वारा 'गिरीश प्रिंटिंग प्रेस से मुद्रित एवं कार्यालय बी 3/1 काशीराज अपार्टमेंट नदेसर 221002 वाराणसी से प्रकाशित एवं प्रसारित।
रजि.33134/78.

फोन : 0542-2500324 9336929544
Email : janmukh.vns@gmail.com

पीरियड्स दर्द और PMS में शतावरी कितनी असरदार?

महिलाओं के शरीर में समय-समय पर होने वाले हार्मोनल बदलाव उनकी पीरियड साइकिल और रिप्रोडक्टिव हेल्थ को प्रभावित कर सकते हैं। तनाव, खराब खानपान, नींद की कमी और अनियमित जीवनशैली के कारण कई महिलाओं को अनियमित पीरियड्स, इश्ए, पीरियड्स के दौरान दर्द या गर्भधारण में परेशानी जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। ऐसे में कुछ महिलाएं आयुर्वेदिक जड़ी-बूटियों का सहारा लेती हैं। हालांकि, किसी भी हर्बल चीज का इस्तेमाल विशेषज्ञ या डॉक्टर की सलाह के बाद ही करना बेहतर होता है। आयुर्वेद में शतावरी को महिलाओं के लिए उपयोगी जड़ी-बूटी माना जाता है। पारंपरिक रूप से इसका इस्तेमाल महिलाओं की रिप्रोडक्टिव हेल्थ और पीरियड्स से जुड़ी परेशानियों के लिए किया जाता रहा है। शतावरी को पानी में उबालकर पीने का चलन भी है। हालांकि, इसे किसी बीमारी का इलाज या हार्मोन बैलेंस करने का निश्चित उपाय नहीं माना जाना चाहिए।

पीरियड्स से जुड़ी परेशानियों में शतावरी का इस्तेमाल

-शतावरी का पारंपरिक रूप से महिलाओं के हार्मोनल और रिप्रोडक्टिव स्वास्थ्य को सपोर्ट करने के लिए इस्तेमाल किया जाता है।
-अनियमित पीरियड्स की समस्या में कुछ महिलाएं इसका सेवन करती हैं, हालांकि इसके प्रभाव को लेकर वैज्ञानिक प्रमाण सीमित हैं।
-इसमें मौजूद कुछ प्राकृतिक यौगिकों के कारण इसे सूजन और सामान्य महिला स्वास्थ्य के लिए उपयोगी माना जाता है।
-PMS के दौरान होने वाली थकान, मूड में बदलाव और पेट फूलने जैसी परेशानियों में भी इसका इस्तेमाल पारंपरिक रूप से किया जाता है।
-पीरियड्स के दौरान ज्यादा दर्द या अत्यधिक ब्लीडिंग हो रही हो, तो केवल शतावरी पर निर्भर रहने के बजाय डॉक्टर से सलाह लेना जरूरी है।

फर्टिलिटी के लिए शतावरी के संभावित फायदे

-शतावरी को आयुर्वेद में महिलाओं की
-प्रजनन क्षमता और रिप्रोडक्टिव हेल्थ को सपोर्ट करने वाली जड़ी-बूटी के रूप में जाना जाता है।
-इसे महिलाओं के रिप्रोडक्टिव सिस्टम के लिए सहायक माना जाता है।
- शतावरी में मौजूद पौधों से मिलने वाले प्राकृतिक यौगिक शरीर के सामान्य हार्मोनल स्वास्थ्य को सपोर्ट कर सकते हैं।
-तनाव और मानसिक थकान का असर रिप्रोडक्टिव हेल्थ पर पड़ सकता है। शतावरी का इस्तेमाल पारंपरिक रूप से शरीर को रिलैक्स करने के लिए भी किया जाता है।
- इसमें एंटीऑक्सीडेंट गुण पाए जाते हैं, जो शरीर को ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस से बचाने में मदद कर सकते हैं।
-हालांकि, शतावरी से ओव्युलेशन, एग क्वालिटी या गर्भधारण की संभावना बढ़ने का दावा करने के लिए अभी पर्याप्त वैज्ञानिक प्रमाण उपलब्ध नहीं हैं।

शतावरी का पानी बनाने का तरीका

शतावरी का पानी तैयार करने के लिए करीब 2 शतावरी की स्टिक लें। इन्हें अच्छी तरह साफ करके 2 कप पानी में डालें। अब पानी को तब तक उबालें, जब तक इसकी मात्रा लगभग आधी न रह जाए। इसके बाद इसे छान लें और हल्का गुनगुना होने पर सेवन करें।

15 से 40 वर्ष के पुरुषों में बढ़ रहा टेस्टिकुलर कैंसर का खतरा

कैंसर सबसे आम कैंसरों में से एक है। लेकिन अगर समय रहते इस गंभीर बीमारी की पहचान हो जाए, तो समय रहते इस बीमारी से छुटकारा पाया जा सकता है।

कैंसर का नाम सुनते ही लोग परेशान हो उठते हैं। लेकिन अगर शरीर के हर बदलाव पर नजर रखी जाए, तो किसी भी गंभीर बीमारी का पता आसानी से लगाया जा सकता है। ऐसी ही एक बीमारी टेस्टिकुलर कैंसर है।

15 से 40 वर्ष की आयु के पुरुषों में टेस्टिकुलर कैंसर सबसे आम कैंसरों में से एक है। लेकिन अच्छी बात ये है कि अगर शुरूआती स्टेज में ही इस कैंसर की पहचान हो जाए, तो इस गंभीर बीमारी से आसानी से छुटकारा पाया जा सकता है।

टेस्टिकुलर कैंसर के शुरूआती लक्षण बेहद सामान्य होते हैं। इसके लक्षणों में स्क्रोटम में भारीपन महसूस होना, टेस्टिकल्स में लम्प या सूजन आना या लोअर बैक में दर्द महसूस होना आदि। इसलिए युवा पुरुषों को इस कैंसर के लक्षणों को जरूर समझना चाहिए। आसान शब्दों में कहें, तो टेस्टिकल्स में बनने वाली गांठ या ट्यूमर को टेस्टिकुलर कैंसर कहते हैं।

टेस्टिकुलर कैंसर के वार्निंग साइन

एक रिसर्च के मुताबिक टेस्टिकुलर कैंसर अन्य कैंसर की तुलना में धीमे-धीमे बढ़ता है। इसलिए कई बार लोग इसके लक्षणों को नजरअंदाज कर देते हैं। ऐसे में सबसे पहले यह जानना जरूरी है कि टेस्टिकुलर कैंसर के वार्निंग साइन क्या है, जिसको समय रहते पहचान लिया जाए, तो इस गंभीर बीमारी से निजात पाया जा सकता है।

टेस्टिकल्स में लम्प या सूजन होना

टेस्टिकुलर कैंसर फाउंडेशन के मुताबिक अगर अंडकोष में लम्प या सूजन की समस्या शुरू हो सकती है। यह सबसे बड़ा संकेत है कि एक अंडकोष में बिना दर्द वाली गांठ या सूजन होना शामिल है। लेकिन हर गांठ कैंसर वाली गांठ नहीं होती है। लेकिन फिर भी किसी नए या असामान्य बदलाव की डॉक्टर से जांच करवानी चाहिए। कुछ पुरुषों को ऐसा महसूस हो सकता है कि एक अंडकोष सामान्य से भारी, बड़ा या अधिक सख्त महसूस हो रहा है।

टेस्टिकल्स में बदलाव होना

अगर आपको ऐसा महसूस होता है कि शेप या साइज में अचानक बदलाव हुआ है, तो यह टेस्टिकुलर कैंसर का वार्निंग साइन हो सकता है। इन बदलाव को अपने हेल्थ एक्सपर्ट के साथ शेयर करें।

स्क्रोटम में भारीपन लगना

एक रिपोर्ट के मुताबिक स्क्रोटम में बिना लम्प या गांठ बने भी भारीपन महसूस हो सकता है। इसलिए अगर स्क्रोटम भारीपन महसूस हो, तो इसको नजरअंदाज नहीं करना चाहिए।

पेट या कमर के निचले हिस्से में दर्द होना

पेट के निचले हिस्से, जांघों के जोड़ या अंडकोश में हल्का दर्द या बेचैनी महसूस होना आदि टेस्टिकुलर कैंसर के वार्निंग साइन में शामिल है। अंडकोष में लगातार दर्द रहना, भारीपन महसूस हो, या इसमें कोई सुधार न हो, तो इसको नजरअंदाज करने की गलती नहीं करना चाहिए। कई मामलों में अंडकोष के आसपास अचानक से तरल पदार्थ एकत्र हो सकता है, जिस कारण सूजन आ सकती है।

स्क्रोटम में दर्द होना

अधिकतर मामलों में कैंसर की गांठ दर्दरहित होती है। लेकिन कुछ मामलों में स्क्रोटम में दर्द या जलन जैसी समस्या महसूस हो सकती है। ऐसे में इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि अगर दो सप्ताह से ज्यादा दर्द बना रहे, तो आप हेल्थ एक्सपर्ट को इसकी जानकारी जरूर दें।

स्क्रोटम में तरल पदार्थ एकत्र होना

स्क्रोटम में तरल पदार्थ का जमा होना भी टेस्टिकुलर कैंसर के वार्निंग साइन में शामिल हो सकता है। स्क्रोटम में तरल पदार्थ की वजह से सूजन की समस्या शुरू हो सकती है।

लोअर बैक में दर्द होना

इस कैंसर से पीड़ित व्यक्ति को लोअर बैक में दर्द महसूस हो सकता है। हेल्थ एक्सपर्ट के मुताबिक कई बार पीठ दर्द, बिना किसी वजह के थकान, वजन कम होना या सांस लेने में तकलीफ आदि होना टेस्टिकुलर कैंसर के लक्षण हो सकते हैं। खासकर जब अंडकोष से बाहर बीमारी फैल गई हो।

ब्रेस्ट में सूजन होना

एक रिपोर्ट के मुताबिक टेस्टिकुलर ट्यूमर एक ऐसा हॉर्मोन सीक्रेट कर सकता है, जिसकी वजह से मेल ब्रेस्ट में पेन, सूजन या फिर ब्रेस्ट सॉफ्ट महसूस हो।

किन लोगों को अधिक खतरा

-15 से 40 साल के पुरुषों में इसका जोखिम अधिक होता है।
-पिता या भाई को पहले टेस्टिकुलर
-कैंसर हुआ हो।
-फैमिली में किसी को पहले यह कैंसर हुआ हो।
-टेस्टिकुलर एब्नॉर्मल्टिज या फिर इनफर्टिलिटी की समस्या होने पर।
-लाइफस्टाइल या एन्वॉयरमेंट की वजह से भी टेस्टिकुलर कैंसर का जोखिम बना रहता है।

होम फैशन
रथयात्रा, वाराणसी
8573035762

मेडिकल डायरेक्ट्री

बच्चों के डॉक्टर
मिनहाज चाइल्ड केयर
Dr. Minhaz Husain
MBBS, MD (Child Specialist)
पूर्व वरिष्ठ नवजात शिशु एवं बाल रोग विशेषज्ञ (IMS-BHU)
www.minhazchildclinic.com
19A lane no 1, Ravindrapuri colony, Varanasi, UP - 221005
Mob.- 6387438255 / 8058811141

गुप्त रोग विशेषज्ञ
गुप्त रोग, ताकत जवानी
सर्वश्रेष्ठ आयुर्वेदिक क्लिनिक
राना डिस्पेन्सरी
डॉ. राना
Govt Regd. Estd, 1948
पता: टकसाल सिनेमा के सामने (नियर ताज होटल) नदेसर, वाराणसी
निःसंतान, धात रोग, स्वप्नदोष, नामर्दी, कमजोरी इत्यादि
60 वर्षीय अनुभवी से मिलकर लाभ उठायें
समय प्रातः 9 से रात्रि 8 बजे तक
रविवार 9 से 1 बजे तक
Mob.: 6386935615, 7388779172

रात में बार-बार पेशाब के लिए क्यों उठते हैं?

कई लोगों की नींद रात में बार-बार पेशाब आने की वजह से खुल जाती है। अगर आपके साथ भी ऐसा होता है तो क्या आपने कभी सोचा है कि आखिर ऐसा क्यों होता है? हेल्थ कोच डेन गो ने सोशल मीडिया पर रात में बार-बार पेशाब आने को लेकर अपनी बात साझा की है। डेन गो ने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट में दावा किया कि रात में पेशाब के लिए उठने की वजह सिर्फ ब्लैडर की समस्या नहीं हो सकती, बल्कि इसका संबंध शरीर की मेटाबॉलिक हेल्थ से भी हो सकता है।

उनके मुताबिक, 30 साल से ज्यादा उम्र के करीब 3 में से 1 व्यक्ति को हर रात कम से कम दो बार बाथरूम जाना पड़ सकता है। उन्होंने बताया कि वह खुद भी कई सालों तक इस समस्या से परेशान रहे और बाद में अपनी लाइफस्टाइल में कुछ बदलाव किए।

ब्लड शुगर का भी हो सकता है कनेक्शन

डेन गो के अनुसार, रात में बार-बार पेशाब आने की एक वजह ब्लड शुगर का बढ़ना हो सकती है। जब शरीर में ब्लड शुगर ज्यादा होता है तो किडनी अतिरिक्त ग्लूकोज को पेशाब के जरिए बाहर निकालने की कोशिश करती है।

उन्होंने कहा कि रात में ज्यादा कार्बोहाइड्रेट वाला

खाना खाने से ब्लड शुगर बढ़ सकता है और इसकी वजह से रात में पेशाब की जरूरत महसूस हो सकती है। उन्होंने रात के खाने में कार्ब्स कम करने और सोने से करीब 3 घंटे पहले खाना बंद करने की सलाह दी है। हालांकि, रात में बार-बार पेशाब आने की कई दूसरी वजहें भी हो सकती हैं, इसलिए इसे केवल ब्लड शुगर या मेटाबॉलिक हेल्थ से जोड़कर देखना सही नहीं होगा।

रात में ज्यादा पानी पीना भी बन सकता है वजह

डेन गो ने रात में सोने से पहले ज्यादा मात्रा में सादा पानी पीने से बचने की बात भी कही है। उनका सुझाव है कि दिन के शुरुआती हिस्से में पर्याप्त पानी पीना बेहतर हो सकता है, ताकि सोने के समय ज्यादा पानी पीने की जरूरत न पड़े।

हालांकि, शरीर के लिए पर्याप्त पानी पीना जरूरी है और पानी की मात्रा कम करना हर व्यक्ति के लिए सही नहीं होता। खासतौर पर किसी बीमारी या डॉक्टर की सलाह के चलते ज्यादा पानी पीने की जरूरत हो तो अपनी तरफ से पानी कम नहीं करना चाहिए।

नींद के लिए बताते हैं खास 'टी प्रोटोकॉल'

डेन गो ने अपनी पोस्ट में सोने से करीब 120 मिनट पहले एक खास चाय लेने का भी जिक्र किया। इसमें उन्होंने कैमोमाइल, ग्लाइसिन और इलेक्ट्रोलाइट्स शामिल करने की बात कही।

उनके मुताबिक, कैमोमाइल शरीर को रिलैक्स करने में मदद कर सकता है, जबकि ग्लाइसिन शरीर के तापमान को कम करने और नींद को बेहतर बनाने में भूमिका निभा सकता है। वहीं, इलेक्ट्रोलाइट्स शरीर में पानी और मिनरल्स का संतुलन बनाए रखने में मदद करते हैं।

हालांकि, इन चीजों को रात में पेशाब आने की समस्या का पक्का इलाज नहीं माना जाना चाहिए। अगर आपको लंबे समय से हर रात बार-बार पेशाब के लिए उठना पड़ रहा है, तो इसके पीछे डायबिटीज, यूरिनरी ट्रैक्ट की समस्या, प्रोस्टेट से जुड़ी परेशानी, नींद की समस्या या कुछ दवाओं जैसे कई कारण हो सकते हैं। ऐसे में डॉक्टर से सलाह लेना बेहतर है।

कार्ड एवं स्टेशनरी
शादी के कार्ड
खत्री स्टेशनर्स
साईं मंदिर के सामने, रामलीला मैदान के पास नदेसर, वाराणसी
मो.9335478047,9140457358

लेडिज सूट शॉप
Designer Salwar Suit Lancha Dress Materials
Shahnaz
GURUBAG, VARANASI PH 2390017

आल टाइप गारमेंट्स शॉप
NEW GENERATION
Exclusive Wear House
KIDS MENS TEENAGERS
Yadav katra, Dashashwamedh, vns. Ph. 2451389

मेडिकल शॉप
DIABETIC CARE POINT
Retailer Of All Kinds Of Medicines
C. 14/175-2, Amar Nagar, Sonia Road, Varanasi.
Varanasi- 945048570, 9936153614
Bharat Medicals

ज्योतिष एवं रत्न विशेषज्ञ
पहले देखे चमत्कार फिर दिल से करे नमस्कार
डॉ अनूप कुमार जायसवाल
कुंडली विशेषज्ञ, हस्तरेखा, फेस रीडिंग, कुंडली मिलान
रत्न रुद्राक्ष थेरेपिस्ट, वास्तु एवं फेंगशुई विशेषज्ञ
Indias No.1 Astrologer
Lokhandwala Branch 9324652370
Bandra Branch 8108888280
HEAD OFF. : SHOP No.-2, Shastri Nagar Complex, Sigra, Varanasi-221010
Tel.: 0542-2220532, Mob.: 09305462682

नाक, कान और गला रोग विशेषज्ञ
काशी ई.एन.टी. सेंटर
कान, नाक और गला रोग विशेषज्ञ
डॉ. अमरेन्द्र सिंह M.B.B.S., M.S. (ENT) Mumbai Fellow - Skull Base Surgery (Italy)
सिद्धिगिरीबाग (यूनियन बैंक के सामने) सिगरा, वाराणसी
Mob.: 7052111138, 7052111139, 0542-2411138

लिवर रोग विशेषज्ञ
समर्पण गैस्ट्रो एवं लिवर क्लिनिक
इलाज एवं सुविधाएं: पेट में दर्द, उल्टी, गैस्ट्रिक अल्सर,खूनी उल्टी, कब्ज, मल में रक्त, रक्तस्त्रावी, आईबीएस, आईबीडी, हेपेटाइटिस, पीलिया, लिवर सिरोसिस, लिवर एब्सेस, गैल स्टोन उपचार, अल्सर, आमाश्य में छाला, अन्दरूनी रक्तस्राव और एंडोस्कोपी व कोलोनोस्कोपी।
परामर्श समय: 08:30 से 04:00 बजे तक
डॉ. शेखर पूरी
MBBS, MD (IMS-BHU) DM (GASTRO.) SMS Jaipur
माहेश्वरी भवन के पास तुलसीपुर, महमूरगंज वाराणसी। मो. 9587794338

यूरोलॉजी विशेषज्ञ
ओंकार यूरोलॉजी सेन्टर एण्ड हॉस्पिटल
Dr. Amit Kumar
MS.FICS M.ch (Urology)
CONSULTANT UROLOGIST
डायलिसिस की सुविधा उपलब्ध
डी.63/13ए-5 अन्नपूर्णा कालोनी महमूरगंज, वाराणसी (नियर पासपोर्ट ऑफिस)
OPD Time 12 Pm to 2 Pm
Mob: 8957650464

मानसिक रोग विशेषज्ञ
तनाव, अवसाद, घबराहट, बेचैनी,OCD याददाश्त कमजोर होना, स्किजोफ्रेनिया, बाइपोलर, गुस्सा, नींद की परेशानी, सिर दर्द, नशा करना, बच्चों और बड़ो की व्यवहारिक समस्याएं, आत्महत्या का विचार आना, माइग्रेन, न्यूरेल्जिया, सर्वाइकल, हाथ-पांव में झनझनाहट व मिर्गी जैसे अन्य मानसिक रोगों का इलाज उपलब्ध।
रवि न्यूरो सायकेट्री सेंटर (मल्टी स्पेशियलिटी हॉस्पिटल)
लेन नं.-16 रविन्द्रपुरी, वाराणसी मो. 8756837310/ 7880893030
डॉ. श्रेयांस द्विवेदी
मानसिक रोग विशेषज्ञ
MBBS,DPM, MD
Neuropsychiatrist

हड्डी रोग विशेषज्ञ
डा. अनुपम श्रीवास्तव
डा. आरती दिव्या
X-ray in 250 Only
Fee Rs 250 Only
वात्सल्य हॉस्पिटल
जाइंट रिप्लेसमेंट, ट्रामा, आर्थ्रोस्कोपी (लिगामेंट सर्जरी) एवं स्पाइन सर्जरी
सिकरौल, वाराणसी। MOB.-9415227170

गाजीपुर समाचार

धूप में चक्कर खाकर पोखरी में गिरा किसान, डूबने से गई जान

बरेसर (गाजीपुर)। चकमुकरी गांव स्थित पोखरी के पास पेड़ के नीचे आराम करने गए किसान विजय राजभर (55) की रविवार को डूबने से मौत हो गई। वह धान की खेत में दवा व खाद डालने गया था। तेज धूप से वह पेड़ के पास जैसे ही पहुंचा वैसे ही चक्कर खाकर अचानक बेहोश हो गए और सीधे पोखरी में जा गिरे।

थानाध्यक्ष वागीश विक्रम सिंह ने बताया कि चकमुरी गांव निवासी अरविंद राजभर ने तहरीर दी कि पिता विजय राजभर दोपहर करीब 12 बजे धान के खेत में खाद और दवा डालने गए थे। तेज धूप होने की वजह से वह कुछ दूरी पर स्थित पोखरी के किनारे पेड़ के नीचे आराम करने गए थे। इस दौरान वहां वह अचेत होकर पोखरी में गिर पड़ी। आसपास के लोगों ने देखा तो शोर मचाते हुए घर वालों को हादसे की सूचना दी। परिवार के लोग भी घटना स्थल पर पहुंचे और ग्रामीणों की मदद से पोखरी से बाहर निकालकर कासिमाबाद सीएचसी लेकर गए, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। परिजन शव देखकर रोने-बिलखने लगे। आवाज सुनकर ग्रामीणों की दरवाजे पर भीड़ जुटी रही। लोग परिवार के सदस्यों को सांत्वना देने में लगे थे। वहीं, पत्नी बुचिया देवी, बेटा गोल्डन, अरविंद और राजू बिलखते-बिलखते अचेत हो जा रहे थे। यह देखकर ग्रामीणों का भी कलेजा फट जा रहा था।

थानाध्यक्ष वागीश विक्रम सिंह ने बताया कि अरविंद राजभर की तहरीर पर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। रिपोर्ट आने के बाद ही मौत का कारण स्पष्ट हो पाएगा।

भदोही समाचार

राष्ट्रीय लोक अदालत 12 को, अधिक वाद होंगे निस्तारित

भदोही। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से 12 सितंबर को जिला न्यायालय में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। इसको सफल बनाने के लिए न्यायिक और प्रशासनिक अफसर जुटे हैं। शनिवार को विश्राम कक्ष में आयोजित बैठक में लोक अदालत को सफल बनाने पर चर्चा की गई।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के पूर्णकालिक सचिव आशीष कुमार ने कहा कि राष्ट्रीय लोक अदालत के माध्यम से अधिक से अधिक वाद का आपसी सुलह-समझौते के आधार पर निस्तारण कराया जाएगा।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि राष्ट्रीय लोक अदालत के आयोजन के संबंध में आमजन को व्यापक स्तर पर जानकारी उपलब्ध कराएं, ताकि अधिक से अधिक लोग इसका लाभ उठा सकें।

मीरजापुर समाचार

अहरौरा में क्रेशर प्लांट के पास हादसे मे मृतक श्रमिकों के परिवारों को 15–15 लाख रूपये का प्रदान किया गया सहायता राशि

मीरजापुर। 05 सितम्बर 2026 को अहरौरा क्रेसेशर प्लांट के पास डग/कक्ष के ढहने से चार मजदूरों की दुखद मृत्यु की हृदयविदारक घटना के पश्चात मा0 राज्यमंत्री समाज कल्याण संजीव कुमार गौड़ के द्वारा श्रमिकों परिजनों को 15–15 लाख रूपये की सहायता राशि एवं 25–25 हजार रूपये अन्तिम संस्कार रूपये के लिए चेक प्रदान किया गया। यह सहायता राशि जिला प्रशासन ने एस0एस0 रंजन क्रेशर कम्पनी की तरफ से दिलवाया गया। मा0 राज्यमंत्री जी द्वारा मृतकों के परिजन में कमशः कविता, किरन देवी, कुसुम कली विश्वकर्मा एवं संगीता को उपरोक्त धनराशि का चेक प्रदान किया गया। इस अवसर पर जिला खान अधिकारी जितेन्द्र सिंह सहित मीरजापुर व सोनभद्र के अन्य सम्बन्धित अधिकारी उपस्थित रहे।

सोनभद्र समाचार

लीलासी में 9 अक्टूबर से शुरू होगी रामलीला

म्योरपुर। माहोचट्टान लिलासी कला झरईलटोला में श्री रामलीला समिति की बैठक रविवार को हुई। इसमें रामलीला एवं दुर्गा पूजा कार्यक्रम की तैयारियों पर चर्चा की गई। समिति के मुताबिक रामलीला की शुरुआत 9 अक्तूबर से होगी, जो 21 अक्तूबर तक चलेगी। वहीं दुर्गा पूजा कार्यक्रम 17 से 20 अक्तूबर तक होगा। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए विभिन्न पदाधिकारियों एवं सदस्यों को जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। समिति के अध्यक्ष बालेश्वर प्रसाद कन्नौजिया, उपाध्यक्ष रामबली प्रसाद, महाप्रबंधक दिनेश कुमार गुप्ता, प्रबंधक गोकुल प्रसाद, कोषाध्यक्ष डॉ. राजू कुमार गुप्ता, महासचिव कर्मदेव प्रसाद गुप्ता, सचिव परमानंद, उप सचिव अशोक कुमार गुप्ता, महामंत्री उपेन्द्र कुमार गुप्ता, मीडिया प्रभारी आशीष कुमार गुप्ता, पात्र संयोजक सोहर लाल गुप्ता, निर्देशक रघुवर दयाल तथा उप निर्देशक संदीप कुमार गुप्ता सहित अन्य पदाधिकारी जिम्मेदारी निभाएंगे।

गोरखपुर समाचार

सीएमओ बोले, रोज 10 मरते हैं, एक और मर गया तो क्या- पत्नी की तहरीर पर केस दर्ज

गोरखपुर। राजघाट बैकुंठ धाम में चबूतरे की छत गिरने से घायल अधिवक्ता आलोक अस्थाना की मौत के बाद नया मोड़ आ गया है। मृतक की पत्नी शालिनी अस्थाना ने सदर अस्पताल के सीएमओ और डॉक्टरों पर इलाज में लापरवाही का आरोप लगाते हुए कोतवाली पुलिस को तहरीर दी है।

शालिनी अस्थाना पत्नी आलोक कुमार अस्थाना, निवासी राप्तीनगर फेज-4, थाना चिलुआताल ने बताया कि उनके पति 6 सितंबर को साथी अधिवक्ता संजय सिंह के साथ दाह संस्कार में राजघाट गए थे। चबूतरे पर बैठे थे, तभी छज्जा गिर गया और दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। आरोप है कि सदर अस्पताल ले जाने पर डॉक्टरों ने इलाज नहीं किया। सीएमओ ने कहा कि 'यहां रोज 10 लोग मरते हैं, एक और मर जाएगा तो क्या हो जाएगा।' एक घंटे तक एंबुलेंस भी नहीं मिली। पत्नी ने तहरीर में कहा है कि जानबूझकर इलाज न करने से उनके पति की मौत हुई है। पत्नी की तहरीर पर कोतवाली थाने में सीएमओ और अस्पताल के अज्ञात कर्मचारियों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया गया है। केस दर्ज होने के बाद नाराज अधिवक्ताओं ने घेराव खत्म किया। शव को पीएम के लिए भेज दिया गया है। उधर, मौके पर पहुंचे एसडीएम ने परिवार को पांच लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने के साथ मुख्यमंत्री रहत कोस से राहत दिलाने का आश्वासन भी दिया।

प्रयागराज समाचार

'राम वनगमन पथ' का दम निकला, 400 करोड़ की सड़क 100 मीटर में चार जगह धंसी

प्रयागराज। भगवान श्रीराम की वनगमन यात्रा से जुड़े तीर्थस्थलों को जोड़ने के लिए तैयार हो रहा राम वनगमन पथ लोकार्पण से पहले ही अपनी मजबूती की परीक्षा में फेल होता नजर आ रहा है। श्रृंगवेरपुर धाम में लखनऊ मार्ग से गंगा पुल की ओर जाने वाली नवनिर्मित सड़क कई जगह धंस गई है।

करीब 100 मीटर के दायरे में सड़क पर चार स्थानों पर दरारें पड़ने के साथ ही उसका कुछ हिस्सा नीचे बैठ गया है। सड़क की हालत को देखते हुए इस पर आवागमन रोक दिया गया है। खास बात यह है कि जिस महत्वाकांक्षी परियोजना पर अरबों रुपये खर्च किए जा रहे हैं, उसका लोकार्पण आने वाले महीने में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से कराने की तैयारी है। ऐसे में लोकार्पण से ठीक पहले सड़क में दरार और धंसाव ने निर्माण एजेंसी से लेकर विभागीय निगरानी तक पर सवाल खड़े कर दिए हैं। विभाग ने संबंधित ठेकेदार को नोटिस जारी कर सड़क धंसने की वजह पूछी है। श्रृंगवेरपुर धाम में गंगा पुल से पहले सड़क की सतह पर कई स्थानों पर दरारें दिखाई दे रही हैं। कुछ हिस्सों में सड़क नीचे बैठ गई है। करीब 100 मीटर के दायरे में चार जगह ऐसी स्थिति सामने आने के बाद स्थानीय लोगों ने निर्माण की गुणवत्ता पर सवाल उठाए हैं। लोगों का कहना है कि अभी सड़क पूरी तरह तैयार भी नहीं हुई और सामान्य बारिश में ही उसका एक हिस्सा धंस गया। भविष्य में इस मार्ग पर भारी वाहनों का दबाव बढ़ने पर सड़क की स्थिति क्या होगी, इसे लेकर भी चिंता है। स्थानीय लोगों ने क्षतिग्रस्त हिस्से की मरम्मत के साथ निर्माण में इस्तेमाल सामग्री और सड़क की तकनीकी गुणवत्ता की जांच कराने की मांग की है। राम वनगमन पथ परियोजना के तहत अयोध्या से चित्रकूट तक करीब 210 किलोमीटर लंबा मार्ग विकसित किया जा रहा है। करीब 4,400 करोड़ रुपये की लागत वाली इस परियोजना से अयोध्या, सुल्तानपुर, प्रतापगढ़, श्रृंगवेरपुर धाम, कौशाम्बी और चित्रकूट को सड़क संपर्क से जोड़ने की योजना है। परियोजना का उद्देश्य धार्मिक स्थलों तक श्रद्धालुओं की पहुंच आसान करने के साथ पर्यटन को बढ़ावा देना है। इससे संबंधित क्षेत्रों में आर्थिक गतिविधियों और रोजगार के अवसर बढ़ने की भी उम्मीद है।

जौनपुर समाचार

सड़क हादसे में शटरिंग मिस्त्री की मौत

डोभी। बजरंगनगर चौकी क्षेत्र के कनौरा के पास शनिवार की देर शाम अज्ञात वाहन की टक्कर से एक अधेड़ घायल हो गया। हादसे के बाद चालक वाहन लेकर भाग गया। चंदवक थानाध्यक्ष अमित सिंह ने बताया कि सड़क पर घायल अवस्था में पड़े व्यक्ति को चंदवक थाने के पिकेट पर तैनात आरक्षी ने देखा तो स्थानीय लोगों की मदद से उपचार के लिए डॉक्टर के पास पहुंचाया। हालत गंभीर होने पर डॉक्टर ने उसे जौनपुर के लिए रेफर कर दिया। जहां उपचार के दौरान भोर में उसकी मौत हो गई। मृतक की पहचान ज्वाला चौहान (45) बसगीत केराकत के रूप में हुई। वह शटरिंग का काम करता था। परिजनों के अनुसार शनिवार की दोपहर करीब तीन बजे वह किसी काम के सिलसिले में डोभी के कनौरा की ओर गया था। देर शाम लौटते समय अज्ञात वाहन ने उसे टक्कर मार दी।

बलिया समाचार

गंगा में दोस्तों के साथ नहाते समय दो किशोर डूबे, चार घंटे बाद मिले शव

दुबहर (बलिया)। मोहनछपरा टेकार बंधा से दियारा जाने वाली पुलिया के पास रविवार को गंगा नदी में नहाते समय दो किशोर गहरे पानी में डूब गए। हादसा उस समय हुआ, जब पांच दोस्त नदी के किनारे बाइक धोने के बाद स्नान कर रहे थे। उसके बाद नहाते समय एक किशोर के गहरे पानी में जाने पर उसे बचाने के लिए दूसरे ने नदी में छलांग लगा दी, लेकिन तेज बहाव और अधिक गहराई के कारण दोनों डूब गए। पुलिस और एसडीआरएफ की टीम ने करीब चार घंटे के सर्च ऑपरेशन के बाद दोनों के शव बरामद किए। हादसे की सूचना मिलते ही दोनों परिवारों में कोहराम मच गया। बांसडीहरोड थाना क्षेत्र के रघुनाथपुर गांव निवासी अनीश अंसारी (16), गोलू गोंड (17), असलम अंसारी, अरमान अंसारी और अर्जुन ओझा रविवार को मोटरसाइकिल से मोहनछपरा मंदिर के पास दियारा जाने वाली पुलिया के समीप पहुंचे थे। वहां बाढ़ के पानी में बाइक धोने के बाद सभी नदी में नहाने लगे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार इसी दौरान युवक मोबाइल से रील भी बनाने लगे। बताया जा रहा है कि नहाने के दौरान अनीस अचानक असंतुलित होकर गहरे पानी में चला गया और डूबने लगा। उसे बचाने के लिए गोलू ने तत्काल नदी में छलांग लगा दी। लेकिन तेज बहाव और गहराई के कारण वह भी अनीस के साथ डूब गया। किनारे मौजूद तीन अन्य साथियों ने शोर मचाते हुए दोनों को बचाने का प्रयास किया, लेकिन सफलता नहीं मिली। चीख-पुकार सुनकर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और दुबहर पुलिस को सूचना दी। थानाध्यक्ष अनुपम जायसवाल ने बताया कि सूचना पर टीम के साथ मौके पर पहुंचे और स्थानीय गोताखोरों की मदद से तलाश शुरू कराई। बाद में एसडीआरएफ टीम ने भी सर्च ऑपरेशन चलाया। करीब चार घंटे की तलाश के बाद दोनों किशोरों के शव बरामद किए गए। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

देवरिया समाचार

लखनऊ से संपर्क में आई थी महिला रुपये मांगने पर रेलकर्मी ने कर दी हत्या

बघौचघाट (देवरिया)। गोरखपुर जिले के झंगहा थाना क्षेत्र के गहिरा में जिस महिला का शव मिला था, गोरखपुर पुलिस उस घटना के पर्दाफाश के करीब पहुंच गई है। हत्या में शामिल आरोपी रेलकर्मी तरकुलवा थान क्षेत्र के रामपुर शुक्ल गांव का रहने वाला बताया जा रहा है। पुलिस सूत्रों का कहना है कि पूछताछ में आरोपी ने रुपये मांगने पर महिला का मुंह दबाकर हत्या करने की बात को स्वीकार कर लिया है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि घटना के समय दोनों नशे में थे। रुपये मांगने लगी। इस बात से आरोपी नाराज हो गया। रविवार को महिला के शव का पोस्टमार्टम हुआ। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, इस मामले का आरोपी देवरिया जिले के तरकुलवा थाना क्षेत्र के रामपुर शुक्ल गांव का रहने वाला है और उसे मृतक आश्रित कोटे से वर्ष 2011 में नौकरी मिली थी।

आजमगढ़ समाचार

मूर्ति विसर्जन के दौरान नदी में डूबा युवक

आजमगढ़। शहर कोतवाली क्षेत्र के बवाली मोड़ निवासी रिंकू मद्धेशिया शनिवार शाम श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर स्थापित मूर्ति का विसर्जन करने के दौरान नदी में लापता हो गए। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पुलिस पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से नदी में युवक की तलाश शुरू कराई, लेकिन देर शाम तक उसका शव नहीं मिला। दूसरे दिन उसका शव घटनास्थल से करीब 100 मीटर दूर नदी किनारे झाड़ियों में अटका मिला। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। शहर कोतवाल यादवेंद्र पांडेय ने बताया कि रिंकू मद्धेशिया (40) ने श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर बाजार में भगवान श्रीकृष्ण की मूर्ति स्थापित की थी। शनिवार शाम करीब सात बजे वह दो साथियों के साथ मूर्ति विसर्जन के लिए मोहटी घाट पहुंचे थे। विसर्जन के दौरान रिंकू नदी में चले गए और इसके बाद दिखाई नहीं दिए।

मऊ समाचार

बिजली के खंभे से टकराने से दो फुफेरे भाइयों की मौत, नौ घंटे बाद खाई में मिले दोनों के शव

मऊ। जिले के कोपागंज थाना क्षेत्र के बरलाई-धवरियासाथ मार्ग पर पुल के पास स्थित पूराघाट के पास अंधे मोड़ एक बार फिर दो परिवारों के लिए मातम का कारण बन गया। शनिवार की रात आठ बजे बिजली के खंभे से बाइक टकराने से आकाश (24) और उनके बुआ के बेटे निकेश (26) की मौत हो गई। रात भर परिजनों दोनों की तलाश में थे। रविवार की सुबह पांच बजे शव 15 फीट नीचे खाई में मिली। कुछ दूरी पर बाइक भी पलटी थी। परिजनों और ग्रामीणों ने खंभा हटाने सहित कई मांगों को लेकर करीब चार घंटे तक सड़क जाम कर दिया। अधिकारियों के आश्वासन और पेडो़ं की कटाई होने के बाद सुबह 9:30 बजे जाम समाप्त हुआ। कुर्थीजाफरपुर पारा निवासी रामआशीष ने बताया कि उनके इकलौते बेटे आकाश और दोहरीघाट थाना के गोठा निवासी बहन का बेटा निकेश शनिवार की रात सात बजे बाजार से सामान घर देकर बाइक से कहीं चले गए। रात नौ बजे तक घर नहीं लौटे तो उन्होंने दोनों को फोन किया, लेकिन फोन नहीं उठा। आसपास खोजबीन के दौरान कुछ लोगों ने बताया कि पूराघाट पुल से पहले कोई दुर्घटना हुई है। अंधेरा होने से कुछ दिखाई नहीं दे रहा था।

रात 12 बजे उन्होंने डायल 112 पर फोन किया और कुर्थीजाफरपुर पुलिस चौकी पर पहुंचकर दोनों के लापता होने की सूचना दी। चौकी प्रभारी सहित अन्य पुलिसकर्मियों ने रात होने का हवाला दिया और सुबह आठ बजे तलाश शुरू करने की बात कहकर लौटा दिया। परिजन रातभर दोनों को फोन लगाते रहे, लेकिन दोनों का पता नहीं चला। रविवार की सुबह टहलने निकले लोगों ने सड़क किनारे खाई में फोन बजने की आवाज सुनी तो टार्च जलाकर देखा। नीचे क्षतिग्रस्त अवस्था में बाइक पड़ी थी। कुछ देर बाद वहां भीड़ इकट्ठा हो गई और परिजन भी पहुंचे। नीचे झाड़ियों में आकाश और निकेश का शव पड़ा था। आक्रोशित ग्रामीणों और परिजनों ने सड़क चौड़ीकरण, पेड़ काटने और खंभा शिफ्ट करने की मांग के लिए बीच सड़क पर शव रखकर सड़क जाम कर दिया।

चंदौली समाचार

चंबल नदी में छोड़ा गया ढाई लाख क्यूसेक पानी, बाढ़ की चेतावनी

पीडीडीयू नगर। राजस्थान के धौलपुर में अत्यधिक बारिश के बाद रविवार को पार्वती बांध से चंबल नदी में 2,50,207 क्यूसेक पानी छोड़ा गया है। इससे यमुना नदी का जलस्तर 2 से 2.5 मीटर बढ़ने की उम्मीद है। वहीं, यमुना के पानी से गंगा का लेवल भी एक से डेढ़ मीटर बढ़ने की संभावना है।

बाढ़ की आशंका को देखते हुए जिला प्रशासन ने अलर्ट जारी किया है। पिछले एक पखवाड़े से गंगा के तटवर्ती इलाके के लोग बढ़ाव से परेशान हैं। दो सितंबर को जलस्तर चेतावनी बिंदु को पार कर गया था। तीन सितंबर को जलस्तर 70.60 मीटर तक पहुंच गया था। इससे 40 गांवों की दहलीज तक पानी पहुंच गया था। शनिवार की रात नौ बजे गंगा का जलस्तर चेतावनी बिंदु 70.262 मीटर से 22 सेमी कम 70.04 मीटर पर था।

सुल्तानपुर समाचार

भरभराकर गिरी कच्चे मकान की मुंडेर, मलबे में दबकर महिला की मौत, सात साल का बेटा घायल

सुल्तानपुर। यूपी के सुल्तानपुर में रविवार देर रात जर्जर खपरैलनुमा कच्चे मकान की मुंडेर भरभराकर गिर गई। मलबे में दबकर महिला की मौत हो गई। जबकि, सात वर्षीय बेटे को भी चोट आई है। साथ में सो रहा चार वर्षीय बेटा बाल-बाल बच गया। हादसे के बाद परिवार में चीख-पुकार मच गई। सोमवार को पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। घटना जयसिंहपुर कोतवाली क्षेत्र के कोची गांव की है। गांव निवासी राम किशोर मिश्रा के बेटे अतुल कुमार मिश्रा की पत्नी प्रतिभा (29) रविवार रात अपने दो बेटों आयुष (7) और अयांश (4) के साथ कच्चे मकान में सो रही थी। अतुल मुंबई में दिहाड़ी मजदूरी करता है। रात करीब 12 बजे अचानक कच्चे मकान की मुंडेर भरभराकर गिर गई। मलबे में प्रतिभा उसके दोनों बेटे दब गए। मलबे से किसी तरह बाहर निकला अयांश बरामदे में सो रहे अपने बाबा राम किशोर के पास पहुंचा।

उसने घबराते हुए कहा, 'चलो बाबा, घर गिर गया... मम्मी और भैया दब गए हैं।' मासूम की आवाज सुनकर राम किशोर और उनकी पत्नी घर के भीतर पहुंचे।

शोर सुनकर पड़ोसी और ग्रामीण भी मौके पर पहुंच गए। ग्रामीणों ने कड़ी मशक्कत के बाद मलबा हटाकर मां-बेटे को बाहर निकाला। परिजन गंभीर रूप से घायल प्रतिभा को विरसिंहपुर स्थित सौ शैय्या अस्पताल ले गए। वहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। आयुष को भी उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया। उसकी हालत ठीक है। महिला की मौत के बाद ग्रामीणों ने परिवार को सरकारी आवास योजना का लाभ नहीं मिलने पर सवाल उठाए हैं।

ग्रामीणों के मुताबिक, परिवार आर्थिक रूप से कमजोर है और जर्जर कच्चे मकान में रहने को मजबूर था। उनका कहना है कि यदि समय रहते परिवार को पक्का आवास मिल गया होता तो शायद यह हादसा टल सकता था। पति के मुंबई में मजदूरी करने के दौरान पत्नी प्रतिभा ही दोनों बच्चों की देखभाल कर रही थी। हादसे में उसकी मौत के बाद दोनों मासूम बच्चों के सिर से मां की ममता का साया उठ गया। घटना से गांव में मातम पसरा है।

लाइफ मंत्र

जन्माष्टमी के बाद कब मनाई जाएगी राधा अष्टमी, नोट कर लें सही डेट और शुभ मुहूर्त

हिंदू धर्म में राधा अष्टमी का बहुत खास महत्व है। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के ठीक 15 दिन बाद भाद्रपद मास के शुक्ल पक्ष की अष्टमी तिथि को राधा अष्टमी का व्रत रखा जाता है। यह दिन राधारानी के प्राकट्य दिवस के रूप में पूरे ब्रज क्षेत्र और दुनियाभर में बड़े धूमधाम और उत्साह के साथ मनाया जाता है। मान्यता के अनुसार, इस दिन सच्चे मन से राधारानी की पूजा करने और व्रत रखने से राधारानी और श्रीकृष्ण की विशेष कृपा प्राप्त होती है और वैवाहिक जीवन में प्यार और मधुरता बनी रहती है। तो आइए जानते हैं राधा अष्टमी की तिथि और शुभ मुहूर्त के बारे में-

राधा अष्टमी पूजा मुहूर्त

पंचांग के अनुसार अष्टमी तिथि 18 सितंबर को दोपहर 1:00 बजे शुरू होगी और इसका समापन 19 सितंबर को दोपहर 3 बजकर 26 मिनट पर होगा। राधा अष्टमी की पूजा के लिए मध्याह्न काल को विशेष माना गया है। इस साल 19 सितंबर 2026 को राधा अष्टमी मनाई जाएगी। राधाअष्टमी पर पूजा का शुभ मुहूर्त सुबह 11 बजकर 01 मिनट से दोपहर 1 बजकर 38 मिनट तक रहेगा।

राधा अष्टमी का धार्मिक महत्व

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, श्री कृष्ण की पूजा तब तक अधूरी मानी जाती है जब तक कि उनके साथ राधा रानी का स्मरण न किया जाए। माना जाता है कि इस दिन व्रत रखने और विधि-विधान से पूजा करने से साधक को अखंड सौभाग्य, सुख-समृद्धि और भगवान श्री कृष्ण एवं राधा रानी की विशेष कृपा प्राप्त होती है।